साहेबगंज जिला अन्तर्गत साहेबगंज प्रखण्ड के सफल कृषक की कहानी उनकी जुवानी

परिचयः–

नाम	:	गनोरी मंडल
ग्राम	:	किशन प्रसाद
पंचायत	:	किशन प्रसाद
प्रखण्ड	:	साहेबगंज
मुख्य पेशा	:	खेती करना

श्रीमान् ग्राम किसन प्रसाद को आत्मा के द्वारा वर्ष–2008 में एक अक्टूबर को अंगीकृत किया गया था जिसमें आत्मा के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमो के साथ–साथ उन्नत ढंग से खेती कर किसान के जीवन स्तर को कैसे सुधारा जाय। वर्ष –2008–09 के दौरान आत्मा द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम किये गये जिनका विवरण इस प्रकार से है–

1. चूँकि ग्राम किसन प्रसाद 'ाहर से 10 किमी0 दूर दियारा क्षेत में अवस्थित है उस समय आने जाने में किसानों को काफी परेशानी होती थी जिला एवं प्रखण्ड स्तर से पुलों का निर्माण एवं सड़क मार्ग बनाकर किसानों को सुगत तरीके से आवागमन का साधन उपलब्ध हुआ सिसे फसल पैदाकर बाजार में बेचने की सुविधा हुई ।

2. सर्व प्रथम किसानों के खेत की मिट्टी के नमूने को साहेबगंज में स्थिति मिट्टी प्रयोगशाला में ले जाकर मृदा जाँच कराया गया जिसमें फास्फोरस एवं पोटाश की कमी पाई गई जहाँ तहाँ नाइट्रोजन की कमी भी मिट्टी में देखी गई । मिट्टी जाँच कराने से फसलो को सन्तुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग कर फसलों की पैदावार में इजाफा हुआ।

3. चूँकि बाजार ग्राम से कम दूरी पर रहने से किसानों को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के माध्यम से हरी सब्जियाँ जैसे मिर्चा, धनियाँ, पालक, फूलगोभी, पातगोभी, भिण्डी, बैगन, टमाटर आदि उगाने के लिए हाइब्रिड बीज बुवाई के लिए नकदीफसल के रूप में 50 % योगदान पर प्रपत्र भरकर फसलों को उगाने के लिए प्रयास किया जा रहा है जिससे किसान को तुरन्त नकदीधन प्राप्त होगा।

4. बाजार में दलहनी के दाम काफी मात्रा में बढ़ गये हैं जिससे किसानों को दलहनी फसलों जैसे मसूर, चना, मटर की बोवाई पर विशेष ध्यान दिया गया साथ ही तिलहन की फसल पर विशेष ध्यान दिया जा रहा ह।

5. किसानों द्वारा रासायनिक उर्वरको का स्तेमाल भारी मात्रा में किया जाता था जिसके प्रयोग को कम करने के लिए फास्फोसल्फोनाइट्रो कम्पोस्ट एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना से बर्मी कम्पोस्ट बना कर खेतों में इस्तेमाल करने पर बल दिया गया है। जिसमें ग्राम के दो किसानों क्रमशः श्री गणोरी मंडल एवं श्री लाल मंडल को बर्मी कम्पोस्ट के गड्ढे निर्माण करा दिये गए है। जिसमें किसानो को बर्मी कम्पोस्ट बना कर खेतों में इस्तेमाल कराया जाना है। खेतों की उर्वरा शक्ति को कायम रखने के लिए 'आत्मा' के द्वारा इफ्कों निर्मित फास्फो बैक्टर एवं एजोटो बैक्टर का प्रयोग कर भुमि में जीवाणु की मात्रा को बढ़ाये रखने पर बल दिया गया है। समय समय पर किसानों को प्रशिक्षण हेतु लेजाकर उनकी खेतों की तकनिकी जानकारी से अवगत कराया गया है। जिसका समस्त खर्चा 'आत्मा' के द्वारा किसाना को दिया गया है। किसानों के खेत पर क्षेत्र प्रदर्शन कर फसल में संतुलित उर्वरक का प्रयोग किया गया । जिससे फसल पैदावार में बढ़ोतरी हुई। 'आत्मा' के माध्यम से किसानों के यहाँ किसान गोष्ठी कर जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र से कृषि वैज्ञानिकों उपायुक्त , उप विकास आयुक्त, जिला सहकारिता पदा0, प्रखण्ड विकास पदा0 , जिला कृषि पदा0 एवं राज्य विपनण प्रबंधक इफको राँची का सहयोग लेकर उक्त कार्यक्रम किये गए । कार्यक्रमो के करने में ग्राम के किसानों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा । ग्राम किशन प्रसाद का क्षेत्रफल ज्यादातर बाढ़ग्रस्त इलाका है। जिसे किसानों के खेतों में तीन माह तक पानी भरा रहता है। लेकिन वर्तमान में बाढ़ का प्रकोप नहीं होने के कारण किसानों ने मक्का की खेती कर अच्छा लाभ कमाने की आशा की है। श्री मान् से आग्रह है कि ग्राम किशन प्रसाद के समुचित विकास हेतु आपके सहयोग की जरूरत है। मुझे आशा है कि 'आत्मा' के सहयोग से ग्राम किशन प्रासाद के अंतर्गत किसानो को अच्छा लाभ मिलने की उम्मीद है। ताकि किसानों के साथ साथ कृषक महिलाओं को भी जोड़कर जीवन स्तर में सुधार कर किसानों को नई जीवन ज्योति मिल सके । मेरा निवेदन होगा कि यहाँ के किसानों को जागृत करने हेतु कृषक पाठशाला का भी न्योजन कर किसानों को खेती करने पर बल दिया जाना होगा ।

धन्यवाद,